“मैंने शैतान को आकाश से गिरते देखा!”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

जब प्रभु यीशु ने अपने 70 शिष्यों को दो-दो करके अपने से पहले हर उस नगर और स्थान में भेजा जहाँ वह स्वयं जाना चाहता था, और उन्हें वही सामर्थ और अधिकार दिया जो उनके पास था—वे आनंद के साथ प्रचार करने गए। जब वे लौटे और प्रभु को सारी घटनाओं की रिपोर्ट दी, उन्होंने जो देखा वो सामान्य लग सकता है—जैसे वे अपना काम कर रहे हों। लेकिन प्रभु यीशु की आँखें उस आत्मिक जगत को देख रही थीं जिसे वे नहीं देख सकते थे। और तब उसने उनसे यह अद्भुत बात कही:

लूका 10:17-19
17 “जब वे सत्तर लौटकर बड़े आनन्द से कहने लगे, ‘हे प्रभु, तेरे नाम से तो दुष्टात्माएँ भी हमारे वश में हो जाती हैं।’
18 तब उसने उनसे कहा, ‘मैंने शैतान को आकाश से बिजली की तरह गिरते देखा।’
19 देखो, मैंने तुम्हें सांपों और बिच्छुओं को कुचलने, और शत्रु की सारी शक्ति पर अधिकार दिया है; और कोई वस्तु तुम्हें किसी प्रकार से हानि न पहुँचाएगी।”

क्या आप समझते हैं कि जब वे सुसमाचार की ज्योति फैला रहे थे, तब आत्मिक जगत में क्या हो रहा था? शैतान की सत्ता बिना किसी रुकावट के, बिजली की गति से गिर रही थी। प्रभु ने कहा कि मैंने

“मैंने शैतान को आकाश से गिरते देखा!”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

उसे गिरते देखा—इसका अर्थ था कि उस गिरावट को कोई रोक नहीं सकता था।

आज, शैतान प्रार्थनाओं में बाधा डाल सकता है। हो सकता है आप प्रार्थना करें लेकिन फिर भी शैतान उसी स्थान पर जमा रहे। पर जब हम एक होकर मसीह की सुसमाचार को प्रचार करते हैं, तो वह जानता है कि वह स्थिर नहीं रह सकता—उसे गिरना ही है!
इसीलिए शैतान सबसे ज़्यादा विरोध किसका करता है? सुसमाचार के प्रचार का!

बाइबल में ‘स्वर्ग’ केवल वह स्थान नहीं जहाँ परमेश्वर निवास करता है, बल्कि वह एक ऊँचा स्थान भी दर्शाता है—एक ऐसी स्थिति जो केवल परमेश्वर के योग्य है। लेकिन शैतान और मनुष्य उस स्थिति को बलपूर्वक प्राप्त करने का प्रयास कर सकते हैं।

यशायाह 14:13-15
13 “तू अपने मन में कहता है, ‘मैं स्वर्ग पर चढ़ जाऊँगा, मैं अपना सिंहासन परमेश्वर के तारों से ऊँचा करूँगा, मैं उत्तरी छोर पर सभा के पर्वत पर विराजमान होऊँगा।’
14 ‘मैं बादलों की ऊँचाई पर चढ़ूँगा, परमप्रधान के तुल्य हो जाऊँगा।’
15 लेकिन तू अधोलोक में गिरा दिया जाएगा, गड्ढे की गहराइयों में।”

“मैंने शैतान को आकाश से गिरते देखा!”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

बहुत से लोग मसीह में उद्धार पाने के बाद रुक जाते हैं। महीनों, वर्षों तक कोई आत्मा नहीं लाते। वे उस उद्धार की रोशनी को दूसरों तक नहीं पहुँचाना चाहते जो उन्होंने स्वयं पाई है। वे नहीं चाहते कि वे प्रतिभाएं और वरदान जो परमेश्वर ने उनमें रखे हैं, मसीह के नाम में उपयोग हों। लेकिन साथ ही वे प्रार्थना करते हैं कि “प्रभु, लोगों को बचा!”
क्या आप समझते हैं, जब तक आप प्रचार नहीं करते, शैतान उसी स्थान पर बना रहेगा?

शैतान प्रार्थना से नहीं भागता, वह भागता है जब सुसमाचार प्रचारित होता है! प्रभु यीशु ने यह वचन तब नहीं कहा जब वे शिष्य प्रार्थना करके लौटे, बल्कि तब कहा जब वे प्रचार करके लौटे!

यदि आज आप आत्मिक फल नहीं ला रहे, तो याद रखिए प्रभु स्वयं कहता है:

यूहन्ना 15:2
“जो मुझ में है और फल नहीं लाता, वह उसे काट देता है।”

हर स्थान जहाँ आप हैं—चाहे कार्यस्थल, स्कूल, गली, घर, सोशल मीडिया, यात्राओं में—वहाँ आप सुसमाचार का प्रकाश पहुँचा सकते हैं। जो अवसर और वरदान परमेश्वर ने आपको दिए हैं, उनका उपयोग मसीह के लिए लाभ उठाने में कीजिए।

“मैंने शैतान को आकाश से गिरते देखा!”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

क्योंकि जब हम एक साथ मिलकर यह कार्य करते हैं, तो शैतान की कोई भी शक्ति लोगों को परमेश्वर से रोक नहीं सकती। वह केवल एक ही दिशा में जाएगा—गिरना, और वो भी बिजली की गति से।

इफिसियों 6:13-15
13 “इस कारण परमेश्वर के सारे हथियार उठा लो, कि तुम बुरे दिन में सामर्थ पा सको, और सब कुछ पूरा करके स्थिर रह सको।
14 अतः कमर में सत्य बाँधकर, छाती पर धर्म की झिलम पहनकर,
15 और पैरों में मेल के सुसमाचार की तत्परता पहने हुए स्थिर रहो।”

जब आप दूसरों को उद्धार का सन्देश सुनाते हैं, आप शैतान के कार्यों का अंत करते हैं।

यह मेरी प्रार्थना है कि आज से आप यह कार्य आरंभ करें। प्रभु आपको आशीष दे।

Share on:
WhatsApp